



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 319 ]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 5, 2000/ज्येष्ठ 15, 1922

No. 319]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 5, 2000/JYAISTHA 15, 1922

वित्त मंत्रालय

( राजस्व विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 जून, 2000

सं 42/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ( एन.टी. )

सा. का. नि. 520(अ).—केन्द्रीय सरकार, उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 ( 1944 का 1 ) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 का निम्न और संशोधन करती है, अर्थात् अब :—

1. ये नियम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ( नवां संशोधन ) नियम, 2000 कहे जायेंगे।
2. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 49 में प्रथम उपनियम के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम रखा जायेगा, अर्थात् :—  
“(1क) विनिर्माता, ऐसे किसी भी माल जिनके संदर्भ में इन नियमों के तहत बनाये गये प्रावधानों के अनुसार हिसाब नहीं रखा गया है या जो सक्षम अधिकारी को समुचित संतुष्टि के साथ खोया हुआ या प्राकृतिक कारणों से नष्ट या ऐसे भंडार गृह अथवा स्वीकृत स्थल में रख रखाव के दौरान अपरिहार्य दुर्घटना में नष्ट न दिखाया गया हो, पर मांगे जाने पर शुल्क अदा करेगा :  
परन्तु सक्षम अधिकारी, उन मालों पर जिन्हें विनिर्माता उपयोग या बिक्री के लिए अनउपयुक्त बताये, समाहर्ता द्वारा लिखित आदेश से लगाये गये शर्तों के साथ, शुल्क नहीं मांगेगा। ”

[ फा. सं. 345/5/2000-टी. आर.यू. ]

प्रशान्त कुमार सिन्हा, अवर सचिव

टिप्पण:—मूल अधिसूचना भारत के राजपत्र, असाधारण, में अधिसूचना सं. IV. D-CE, तारीख 28 फरवरी, 1944, द्वारा प्रकाशित की गई थी और उसका अंतिम संशोधन अधिसूचना सं. 38/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ( एन. टी. ), तारीख 12 मई, 2000 [ सा.का.नि. 445(अ), तारीख 12 मई, 2000 ] द्वारा किया गया।

**MINISTRY OF FINANCE****(Department of Revenue)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 5th June, 2000

**No. 42/2000-Central Excise (N.T.)**

**G.S.R. 520(E).**—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely:—

1. These rules may be called the Central Excise (Ninth Amendment) Rules, 2000
2. In rule 49 of the Central Excise Rules, 1944, after sub-rule (1), following sub-rule shall be inserted, namely:—

“(1A) The manufacturer shall, on demand, pay the duty leviable on any goods which are not accounted for in the manner specifically provided in these rules, or which are not shown to the satisfaction of the proper officer to have been lost or destroyed by natural causes or by unavoidable accident during handling or storage in such store-room or other approved premises:

Provided that the proper officer may not demand duty due on any goods claimed by the manufacturer as unfit for consumption or for marketing subject to such conditions as may be imposed by the Commissioner by order in writing.”

[File No. 345/5/2000-TRU]

PRASHANT KUMAR SINHA, Under Secy.

**Note:**—The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, vide notification No. IV. D-CE, dated the 28th February, 1944 and were last amended by the notification of the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 38/2000-Central Excise (N.T.), dated the 12th May, 2000 [G.S.R. 445(E), dated the 12th May, 2000].